पाठ्यक्रम

एम.ए. (हिन्दी)

प्राइवेट छात्रों के लिए

सत्र 2010-11 से लागू

II

हिन्दी विभाग

जामिया मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली-110025

पाठ्यक्रम-6

नाटक और निबंध

पूर्णांक : 100

यूनिट-1 : हिन्दी नाटक एवं निबंध का विकास

- हिन्दी नाटक का विकास
- हिन्दी रंगमंच का विकास
- हिन्दी निबंध का विकास
- हिन्दी निबंध के विविध रूप

(आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-2 स्वतंत्रतापूर्व नाटक

अंधेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
चंद्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद
(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-3 : स्वातंत्र्योत्तर नाटक

आधे अधूरे - मोहन राकेश
अंधा युग - धर्मवीर भारती
(व्यवहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-4 : निबंध

ईश्वर भी क्या ही ठठोल है : बालकृष्ण भट्ट
आचरण की सभ्यता : सरदार पूर्ण सिंह
कविता क्या है : रामचंद्र शुक्ल
कुटज : हजारीप्रसाद द्विवेद

अज्ञेय : मेरी स्वाधीनता : सबकी स्वाधीनता

छितवन की छाँव : विद्यानिवास मिश्र

तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य : रामविलास शर्मा

निषाद बांसुरी : कुबेरनाथ राय

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न	4 x 15 = 60 अंक
दो व्यावहारिक समीक्षाएँ	2 x 10 = 20 अंक
चार लघूत्तरी प्रश्न	4 x 05 = 20 अंक

शर्मा

) अंक
) अंक
) अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1.	हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास	दशरथ ओझा
2.	पारसी हिन्दी रंगमंच	लक्ष्मीनारायण लाल
3.	रंग दर्शन	नेमिचन्द्र जैन
4.	हिन्दी नाटक	बच्चन सिंह
5.	निबंध निलय (भूमिका)	सत्येन्द्र
6.	मोहन राकेश और उनके नाटक	गिरीश रस्तोगी
7.	नाटक और रंगमंच (सम्पादित)	गिरीश रस्तोगी
8.	नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना	सत्येन्द्र तनेजा
9.	प्रसाद का नाट्य-कर्म	सत्येन्द्र कुमार तनेजा
10.	अंधा युग : पाठ और प्रदर्शन	जयदेव तनेजा
11.	आज के रंग नाटक	सं॰ सुरेश अवस्थी
12.	सांगीत (नौटंकी) एक लोकनाट्य परम्परा	रूप नारायण अग्रवाल
13.	भारतेन्दु का नाट्य साहित्य	धीरेन्द्र कुमार शुक्ल
14.	मोहन राकेश की रंगसृष्टि	जगदीश शर्मा

पाठ्यक्रम-7

छायावादोत्तर काव्य

पूर्णांक : 100

यूनिट-1 : कालावधि तथा विभिन्न विचारधाराएं

- राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना का क़ाव्य, हालावाद एवं गीत धारा, प्रगतिशील आंदोलन, प्रयोगवादी काव्य, नयी कविता, अकविता, नववामपंथी कविता, समकालीन कविता, नवगीत (आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-2 : राष्ट्रीय-सांस्कृतिक एवं गीति-काव्य

हरिवंशराय 'बच्चन'

'मधुशाला' से छंद संख्या 3, 4, 6, 7, 10, 12, 14, 16, 17, 18
'निशा-निमंत्रण' से 1, 3, 7, 17, 18, 19
बुद्ध और नाच घर (बुद्ध और नाच घर से)

रामधारी सिंह 'दिनकर'

उर्वशी (तीसरा सर्ग)
(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-3 : प्रयोगवाद एवं नयी कविता

अज्ञेय

कतकी पूनो, हमारा देश, पहला दौरा, यह दीप अकेला,
साम्राज्ञी का नैवेद्य दान, भीतर जागा दाता,
कितनी नावों में कितनी बार ('सदानीरा' से)

मुक्तिबोध

भूल-ग़लती, लकड़ी का रावण, ब्रह्मराक्षस, मुझे पुकारती हुई पुकार, दिमाग़ी गुहांधकार का औरांग-उटांग
('चांद का मुंह टेढ़ा है')
(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-4 : प्रगतिशील एवं समकालीन कविता

नागार्जुन

बादल को घिरते देखा है, प्रेत का बयान, सिंदूर तिलकित भाल, यह तुम थीं, अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक, खुरदरे पैर
('नागार्जुन की प्रतिनिधि कविताएं' से)

रघुवीर सहाए

धूप, रामदास, दे दिया जाता हुं, अधिनायक, नेता क्षमा करें, दो अर्थ का भय, सड़क पर रपट
('रघुवीर सहाय रचनावली भाग-1' से)

धूमिल

पटकथा
('संसद से सड़क तक' से)
शब्द जहां सक्रिय हैं
धूमिल की अंतिम कविता
('कल सुनना मुझे' से)
वसंत से बातचीत का एक लम्हा
('सुदामा पांडे का प्रजातंत्र' से)
(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3 x 15 = 45 अंक
तीन व्यावहारिक समीक्षाएं	3 x 10 = 30 अंक
पाँच लघूत्तरी प्रश्न	5 x 05 = 25 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1. छायावादोत्तर हिन्दी कविता कि प्रवृत्तियां	त्रिलोचन पांडेय
2. छाया के बाद (भूमिका)	सं॰ मुजीब रिज़वी अशोक चक्रधर
3. कविता के नए प्रतिमान	नामवर सिंह
4. नया काव्य: पुराने निकष	लक्ष्मीकांत वर्मा
5. नयी कविता का आत्मसंघर्ष	मुक्तिबोध
6. लम्बी कविताओं का रचनाविधान	सं॰ नरेन्द्र मोहन
7. प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य	रेखा अवस्थी
8. प्रगतिशील साहित्य की समस्याएं	रामविलास शर्मा
9. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां	नामवर सिंह

	10. तार सप्तक की भूमिका	सं॰ अज्ञेय
	11. नागार्जुन का रचना संसार	विजय बहादुर सिंह
	12. नागार्जुन की कविता	अजय तिवारी
	13. अज्ञेय: कवि और काव्य	राजेन्द्र प्रसाद
	14. अज्ञेय: सृजन और संघर्ष	रामकमल राय
	15. अज्ञेय: की काव्यतितीर्षा	नंद किशोर आचार्य
	16. मुक्तिबोध की कविताई	अशोक चक्रधर
15 अंक	17. मुक्तिबोध की समीक्षाई	अशोक चक्रधर
30 अंक	18. मुक्तिबोध: ज्ञान और संवेदना	नंदकिशोर नवल
25 अंक	19. कठघरे का कवि धूमिल	गन्तु॰ अष्टेकर
	20. धूमिल की काव्य यात्रा	मंजू अग्रवाल
	21. विपक्ष का कवि धूमिल	राहुल
	22. समकालीन कविता	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
	23. समकालीन कविता का व्याकरण	परमानंद श्रीवास्तव
पांडेय	24. कविता का जनपद	अशोक वाजपेयी
रिज़वी	25. फ़िलहाल	अशोक वाजपेयी
चक्रधर	26. बच्चन और उनका काव्य	चंद्रदेव सिंह
सिंह		
वर्मा		
मोहन		
र्थी		
शर्मा		
सिंह		

पाठ्यक्रम-8

कथा-साहित्य

पूर्णांक : 100

यूनिट-1 : हिन्दी उपन्यास एवं कहानी का विकास

- स्वतन्त्रतापूर्व हिन्दी कथा साहित्य :

(क) आधुनिक यथार्थबोध की पृष्ठभूमि

(ख) विभिन्न धाराएँ(भाववादी, यथार्थवादी,मनोविश्लेषणवादी)

- स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कथा साहित्य:

(क) साठोत्तरी उपन्यास, आंचलिक उपन्यास,समकालीन उपन्यास

(ख) नई कहानी, साठोत्तरी कहानी, समकालीन कहानी (आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-2 : स्वतन्त्रतापूर्व उपन्यास

गोदान	-	प्रेमचंद
शेखर : एक जीवनी	-	अज्ञेय

(आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-3 : स्वातन्त्र्योत्तर उपन्यास

मैला आंचल	-	फणीश्वरनाथ रेणु
दिलो दानिश	-	कृष्णा सोबती

(आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-4 : कहानी

उसने कहा था	:	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
कफन	:	प्रेमचंद
पुरस्कार	:	जयशंकर प्रसाद
खेल	:	जैनेन्द्र
परदा	:	यशपाल

परिन्दे	:	निर्मल वर्मा
चीफ की दावत	:	भीष्म साहनी
डिप्टी कलक्टरी	:	अमरकांत
खोई हुई दिशाएँ	:	कमलेश्वर
दोज़ख़ी	:	शानी

(आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न 4 X 20 = 80 अंक
(दो प्रश्न उपन्यासों से तथा दो प्रश्न कहानियों से)
चार लघूत्तरी प्रश्न 4 X 05 = 20 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1.	उपन्यास का उदय	आयन वॉट
2.	हिन्दी उपन्यास	सुरेश सिन्हा
3.	हिन्दी उपन्यास : अंतरंग पहचान	प्रेमकुमार
4.	हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा	रामदरश मिश्र
5.	हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख	इन्द्रनाथ मदान
6.	आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास	इन्द्रनाथ मदान
7.	प्रेमचंद और उनका युग	रामविलास शर्मा
8.	विवेक के रंग	देवीशंकर अवस्थी
9.	कहानी नयी कहानी	नामवर सिंह

10. आज की हिन्दी कहानी	विजयमोहन सिंह
11. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति	देवीशंकर अवस्थी
12.सिलसिला	मधुरेश
13.हिन्दी उपन्यास : 1950 के बाद	सं॰ निर्मला जैन नित्यानंद तिवारी
14.उपन्यास की शर्त	जगदीश नारायण श्रीवास्तव
15.गोर्की और प्रेमचंद	मदनलाल मधु
16.उपन्यास और लोकजीवन	रॉल्फ फाक्स
17.उपन्यास का सिद्धांत	लुकाच
18.उपन्यास के पक्ष	ई॰ एम॰ फॉर्स्टर
19. यथार्थवाद	शिवकुमार
20.हिन्दी उपन्यास का इतिहास	गोपाल राय
21. हिन्दी उपन्यास : सार्थक की पहचान	मधुरेश
22. कुछ कहानियाँ: कुछ विचार	विश्वनाथ त्रिपाठी

यूनिट-3 : अनुवाद एवं पारिभाषिक शब्दावली

- अनुवाद: सिद्धांत एवं व्यवहार
- अनुवाद के प्रकार, प्रक्रिया और प्रविधि
- आशु अनुवाद का क्षेत्र, भूमिका और महत्व
- अनुवाद एवं आशु अनुवाद में अन्तर
- कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद

पारिभाषिक शब्दावली:

- पारिभाषिक शब्द-निर्माण के सिद्धांत
- हिन्दी में तकनीकी शब्दावली का विकास
- ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली
- शब्द भण्डार
- हिन्दी की नवनिर्मित पारिभाषिक शब्दावली

(आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-4 : मीडिया और हिन्दी

- विभिन्न संचार माध्यमों में हिन्दी का रूप
- पत्रकारिता की भाषा
- रेडियो की भाषा
- दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति
- विज्ञापन की हिन्दी

(आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 20 = 80 अंक
चार लघूत्तरी प्रश्न	4 X 05 = 20 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1.	हिन्दी में सरकारी कामकाज	राम विनायक सिंह
2.	राजभाषा हिन्दी	कैलाशचन्द्र भाटिया
3.	सामयिक प्रशासनिक कार्य विधि	गोपीनाथ श्रीवास्तव
4.	मानक हिन्दी का स्वरूप	भोलानाथ तिवारी
5.	प्रयोजमूलक हिन्दी	दंगल झाल्टे
6.	व्यावहारिक हिन्दी एवं प्रयोग	ओमप्रकाश
7.	प्रालेखन प्रारूप	शिव नारायण चतुर्वेदी
8.	वृहद पारिभाषिक शब्दावली / वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग (शिक्षा एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)	
9.	वाणिज्य शब्दावली / वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग (शिक्षा एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)	
10.	पत्रिका संपादन कला	रामचंद्र तिवारी
11.	समाचार पत्र व्यवस्थापन	अनंत गोपाल शेवड़े
12.	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी	महेन्द्रपाल शर्मा
13.	बी.बी.सी. की हिन्दी	सं. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा

पाठ्यक्रम-10 (क)

लोक साहित्य

पूर्णांक : 100

यूनिट-1 : लोक साहित्य : अवधारणाएं

- लोक, लोक-वार्ता, लोक-संस्कृति और लोक-साहित्य
- लोक साहित्य : संस्कृत वाङ्मय में लोकोन्मुखता
- हिन्दी के आरंभिक साहित्य में लोकतत्व, वर्तमान साहित्य और लोक-साहित्य का अंत:संबंध, लोक-साहित्य में सामाजिक संघर्ष

(आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-2 : हिंदी लोक साहित्य की समस्याएं

- लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया
- लोक साहित्य के संकलन की समस्याएं
- लोक साहित्य के प्रमुख संकलन

(आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-3 : लोक साहित्य के संगीतप्रधान रूपों का वर्गीकरण

- लोक गीत : संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम-गीत, ऋतु-गीत, जाति-गीत
- लोक-नाट्य एवं लोक-नृत्य-नाट्य : रासलीला, नौटंकी, कीर्तनियां, स्वांग, सांगीत, यक्षगान, भवाई, संपेड़ा, विदेशिया, माच, पंडवानी, भांड, तमाशा नौटंकी, जात्रा, कथकली,
- हिन्दी लोक नाट्य की परंपरा, हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोक-नाट्यों का प्रभाव
- लोकवाद्य तथा लोक संगीत

(आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-4 : लोक-कथा एवं लोक-गाथा

- **लोक-कथा** : व्रत-कथा, परी-कथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक-रूढ़ियां
- **लोक-गाथा** : ढोला-मारू, लोरिकायन, हीर-रांझा, आल्हा (आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 20 = 80 अंक
चार लघूत्तरी प्रश्न	4 X 05 = 20 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1.	हिन्दी साहित्य का वृहत् इतिहास (सोलहवां भाग)	राहुल सांकृत्यायन
2.	कविता कौमुदी ग्राम साहित्य भाग	रामनरेश त्रिपाठी
3.	लोक साहित्य की भूमिका	कृष्णदेव उपाध्याय
4.	लोकधारा	हीरामणि सिंह साथी
5.	लोककाव्य विधा कजरी	अब्दुल बिस्मिल्लाह
6.	लोक साहित्य	श्याम परमार
7.	मध्ययुगीन रोमांचक आख्यान	नित्यानंद तिवारी
8.	मध्ययुगीन हिन्दी साहित्य का लोकतात्विक अध्ययन	सत्येन्द्र
9.	लोक साहित्य एवं लोक स्वर	विद्यानिवास मिश्र
10.	लोक संस्कृति	वसंत निरगुणे
11.	लोक संस्कृति में राष्ट्रवाद	बद्रीनारायण
12.	'मड़ई' पत्रिका (अब तक प्रकाशित सभी अंक)	
13.	बेला फूले आधी रात	देवेन्द्र सत्यार्थी
14.	सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक	
15.	लोक	पीयूष दइया

पाठ्यक्रम-10 (ग)

उर्दू साहित्य

पूर्णांक : 100

यूनिट-1 : उर्दू भाषा का विकास

- खड़ी बोली का विकासक्रम और उर्दू
- उर्दू साहित्य का प्रारंभिक स्वरूप : दकनी एवं उत्तरी
- उर्दू गद्य का विकास
- देहली कॉलेज और फोर्ट विलियम कॉलेज की भूमिका
- उर्दू हिन्दी का पारस्परिक संबंध

(आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-2 : उर्दू साहित्य : एक परिचय

- उर्दू के विविध काव्य रूप : ग़ज़ल, कसीदा, मसनवी, मरसिया, रुबाई एवं नज़्म
- बीसवीं शताब्दी की उर्दू कविता
- उर्दू गद्य की विविध विधाएं : कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध एवं समकालीन उर्दू आलोचना
- उर्दू के साहित्यिक आंदोलन
- तरक्कीपसंद तहरीक
- स्वातंत्र्योत्तर उर्दू साहित्य

(आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-3 : उर्दू कविता

मीर तक़ी मीर (ग़ज़लें)
हस्ती अपनी हुबाब की सी है
उल्टी हो गयीं सब तदबीरें
पत्ता पत्ता बूटा बूटा हाल हमारा जाने है
कल जो देखा गुलोसमन देखा

अकबर इलाहाबादी

मुस्तकिल

जलवा-ए-दरबारे-देहली

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-4 : उर्दू गद्य

कुर्रतुल ऐन हैदर — आग का दरिया

इंतज़ार हुसैन — बस्ती

शौकत सिद्दीकी — खुदा की बस्ती

(आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3 X 15 = 45 अंक
तीन व्यावहारिक समीक्षाएं	3 X 10 = 30 अंक
पाँच लघूत्तरी प्रश्न	5 X 05 = 25 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1.	उर्दू साहित्य का इतिहास	एजाज हुसैन
2.	उर्दू साहित्य का इतिहास	ब्रजरत्न दास
3.	उर्दू भाषा और साहित्य	फिराक़ गोरखपुरी
4.	उर्दू कविता	फिराक़ गोरखपुरी
5.	उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	एहतेशाम हुसैन
6.	उर्दू काव्य की जीवन-धारा	मु० हुसैन आज़ाद
7.	उर्दू समालोचना पर एक दृष्टि	कलीमुद्दीन अहमद
8.	यादगारे ग़ालिब	अल्ताफ़ हुसैन हाली
9.	बाग़ो बहार	मीर अम्मन
		अनु० अब्दुल बिस्मिल्लाह
10.	उर्दू प्रेस और ब्रिटिश शासन	अब्दुल मुजीब खां
11.	उर्दू शायरी	जाफ़र रज़ा
12.	उर्दू हिन्दी की प्रगतिशील कविता	असग़र वजाहत
13.	उर्दू साहित्य कोश	कमल नसीम
14.	उर्दू आलोचना	पूर्णमासी राय
15.	जिक्रे-मीर	अनु० अजमल अजमली

अंक
अंक
अंक

पाठ्यक्रम-10 (ड.)

हिन्दी पत्रकारिता

यूनिट-1 : हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास और स्वरूप

- हिन्दी पत्रकारिता का उदय
- नवजागरण युगीन हिन्दी पत्रकारिता
- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता
- समकालीन पत्रकारिता
- हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूपगत अध्ययन
  आंतरिक पक्ष और वाह्य पक्ष
- प्रेस क़ानून एवं आचार संहिता
  (आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-2 : समाचार संकलन

- समाचार के स्रोत
- समाचार संकलन
- समाचार समितियों की भूमिका
- संवाददाता और जनसंपर्क
- समाचारों का अनुवर्तन
  (आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-3 : पत्रकारिता लेखन

- समाचार
- फीचर
- संपादकीय
- अग्रलेख
- रिपोर्टिंग
- समीक्षा
- साक्षात्कार

(व्यावहारिक लेखन संबंधी प्रश्न)

यूनिट-4 : मुद्रण एवं संपादन कला

- मुद्रण एवं संपादन में कंप्यूटर का प्रयोग
- लेज़र टाइप सेटिंग
- समाचार का संपादन
- शीर्षक
- प्रूफ रीडिंग
- लेआउट
- भाषा

(आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

यूनिट-1,2,4 से तीन आलोचात्मक प्रश्न	3 X 15 = 45 अंक
यूनिट-3 से दो व्यावहारिक लेखन संबंधी प्रश्न	2 X 15 = 30 अंक
पांच लघूत्तरी प्रश्न	5 X 05 = 25 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1.	हिन्दी पत्रकारिता	कृष्णबिहारी मिश्र
2.	पत्रकारिता, इतिहास और प्रश्न	कृष्णबिहारी मिश्र
3.	पत्रकारिता का इतिहास	एन.सी. पंत
4.	समकालीन पत्रकारिता:मूल्यांकन और मुद्दे	राजकिशोर
5.	आज की हिंदी पत्रकारिता	सुरेश निमल

6. हिंदी पत्रकारिता सिद्धांत और स्वरूप	सविता चड्ढा
7. संवाद और संवाददाता	राजेन्द्र
8. प्रेस और भारतीय संसद	शांति स्वरूप सिंह
9. भेंटवार्ता और प्रेस कांफ्रेंस	नंद किशोर त्रिखा
10. पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा	आलोक मेहता
11. समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला	हरिमोहन
12. नई पत्रकारिता और समाचार लेखन	सविता चड्ढा
13. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संरचना	चन्द्रदेव यादव
14. समाचार संपादन	कमल दीक्षित और महेश दर्पण
15. फीचर लेखन:स्वरूप और शिल्प	मनोहर प्रभाकर
16. संपादन पृष्ठ सज्जा और मुद्रण	प्रो. रमेश जैन
17. अग्रलेख	घनश्याम पंकज
18. मीडिया और बाज़ार	सुधीश पचौरी
19. मीडिया और बाज़ारवाद	सं. रामशरण जोशी
20. अपने गिरेबान में(क्षेत्रीय पत्रकारिता)	यशवंत व्यास
21. ई जर्नलिज्म्	अर्जुन तिवारी
22. प्रसारण और फोटो पत्रकारिता	ओम गुप्ता
23. भारतीय मीडिया:अंतरंग पहचान	स्मिता मिश्र
24. भेंटवार्ता एवं प्रेस कांफ्रेंस.	नंद किशोर त्रिखा
25. नए संचार माध्यम और हिंदी	सं. सुधीश पचौरी अचला शर्मा
26. History of Indian Journalism	J. Natrajan
27. Mass Media 2002	Research Reference and training division
28. Indian Press Since 1955	SC Bhatt

पाठ्यक्रम-11

मौखिकी

पूर्णांक : 100